नियत कार्य, संख्या - 3
कक्षा छठी
हिंदी

SA1

पाठ का नाम - सूरदास के पद
व्याकरण - समरूपी भिन्नार्थक शब्द

प्र०1 केवल एक वाक्य में उत्तर दो -
(i) प्रथम पद्यांश में कृष्ण के किस रूप का वर्णन है?
(ii) पद्यांश के रचयिता का नाम लिखो।
(iii) पद्यांश में किस भाषा का प्रयोग हुआ है?
(IV) कृष्ण के माथे पर किसका तिलक लगाया गया है?
(V) दूसरे पद्यांश में कृष्ण की किस क्रीड़ा का वर्णन है?
(VI) अंत में कृष्ण किसकी दुहाई देकर दाँव देते हैं?

प्र०2 उचित अर्थ का चयन करें -
लोल - आलसी, चंचल।
तासो - उससे, कदापि।
राजत - रात्रि, शोभायमान।
बरबस - जबर्दस्ती, बेबस।

प्र०3 हिंदी रूप लिखो -
हिय, दधि, तिहारे, लट।

प्र०4 रिक्त स्थान भरो -
(i) चारु ______, लोल ______।
(ii) ______ हारे, जीते ______।

प्र०5 रिक्त स्थान -

(क) इस विनोद के बीच वे _____ जी को बुलाकर अलग से शुद्ध शाकाहारी भोजन बनवाने की व्यवस्था करने का निर्देश देना नहीं भूले।

(ख) व्यक्तिगत सम्बंधों की _____ और _____ में उनके साथ तुलना में ठहरने वाले व्यक्ति बहुत ही कम हैं।

व्याकरण

प्र०1 उचित शब्द से वाक्य को पूर्ण कीजिए -

(क) भारत में अनेक _____ बहती हैं। (नदी / नदियाँ)

(ख) _____ घर की शोभा होती है। (बहू / बहुएँ)

(ग) _____ ने भाषण दिया। (नेतागण / नेता)

(घ) पुस्तकालय में अनेक _____ हैं। (पुस्तकें / पुस्तक)

प्र०2 वचन बदलकर वाक्य फिर से लिखें -

(क) मज़दूर मेहनत करता है।

(ख) अध्यापक का आदर करना चाहिए।